पीआरजीआई से प्रदत्त पंजीयन संख्या-UAHIN/25/A3123 www.parvatprerna.com

सांध्य दैनिक

पर्वत प्रेरणा

निष्पक्ष एवं निर्भीकता के साथ सम्पूर्ण राज्य का एक संस्करण

वर्ष : 2 | अंक : 263 | हल्द्वानी | मंगलवार , 28 अप्रैल 2026 | मूल्य 1.00 रुपये | पृष्ठः 8

एक नजर

आयुश्री भावे बनी कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर

लोहाघाट । निवासी आयुश्री भावे ने अपनी प्रतिभा और कड़ी मेहनत के बल पर कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर पद पर नियुक्ति प्राप्त की है।आयुश्री ने कड़ी मेहनत से जी.आर.ई. जैसी कठिन परीक्षा को उत्तीर्ण कर इस मुकाम को हासिल किया है। यह उनके समर्पण, संघर्ष और अदम्य इच्छाशक्ति का प्रतीक है। यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। आयु श्री की शानदार सफलता पर पूर्व विधायक पूरन सिंह फर्त्याल सहित कई जनप्रतिनिधियों व समाजसेवी ने उन्हें शुभकामनाएं दी है।कहा आयुश्री भावे ने अपने माता-पिता, लोहाघाट क्षेत्र एवं देश का नाम रोशन किया है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर उन्हें, उनके माता-पिता एवं समस्त शुभचिंतकों को हृदय से हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएं।

शादी समारोह में आइसक्रीम को लेकर भिड़े युवक

लालकुआं। नगर के अंबेडकर पार्क में आयोजित एक विवाह समारोह के दौरान आइसक्रीम को लेकर विवाद इतना बढ़ गया कि दो पक्षों में जबरदस्त मारपीट हो गई, और आधा दर्जन से अधिक युवक जख्मी हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को तितर-बितर किया, तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के अंबेडकर पार्क में एक विवाह समारोह चल रहा था, इस बीच आइसक्रीम के काउंटर पर लगी भीड़ के बीच में एक स्थानीय किशोर से बिंदुखत्ता निवासी युवक की बहस हो गई, देखते ही देखते बहस मारपीट में बदल गई, जिसके बाद बिंदुखत्ता निवासी युवक ने गांव से 15-20 लड़कों को बुला लिया, जिन्होंने बारात में पहुंचकर कुर्सी व अन्य सामान से मारपीट शुरू कर दी, जिससे विवाह समारोह में अफरा-तफरी मच गई, सूचना पर पहुंची पुलिस ने एक युवक को हिरासत में ले लिया, बाकी सब भागने में कामयाब हो गए, पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। मारपीट में 6 युवक जख्मी हुए हैं।

महिला आरक्षण पर विधानसभा में घमासान

सीएम धामी के संबोधन पर विपक्ष ने काटा हंगामा

देहरादून। महिला आरक्षण को लेकर सियासत एक बार फिर गरमा गई है। उत्तराखंड विधानसभा में आज बुलाए गए विशेष सत्र के दौरान उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपना संबोधन शुरू किया। विपक्ष ने जोरदार नारेबाजी करते हुए सरकार पर महिला मुद्दों का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री धामी ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर राजनीति करना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा लाए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख करते हुए कहा कि यह महिलाओं को समान भागीदारी देने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए इस महत्वपूर्ण विधेयक को आगे नहीं बढ़ने दिया गया।

दूसरी ओर, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने सरकार के आरोपों को खारिज किया। सत्र की शुरुआत में ही विपक्ष ने महिला आरक्षण के समर्थन में संकल्प प्रस्ताव पेश किया, जिसे अध्यक्ष द्वारा अस्वीकार किए जाने पर माहौल और गरमा गया। विपक्षी सदस्यों ने वेल में आकर नारेबाजी की और सरकार पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने महिलाओं को उनका अधिकार नहीं दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी व अखिलेश दोनों कौरव हैं इसके बाद सदन में हंगामा खड़ा हो गया।

विपक्ष का कहना है कि सरकार महिला मुद्दों का उपयोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए कर रही है। जन-धन योजना और बैंकिंग क्षेत्र में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने इसे सरकार की उपलब्धि बताया। महिला आरक्षण जैसे अहम मुद्दे पर सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव ने साफ कर दिया है कि आने वाले समय में यह विषय और अधिक राजनीतिक केंद्र में रहेगा।

अफवाह फैलाकर मुझे पिछला चुनाव हरवाया : धामी

पिछला विधानसभा सभा में चुनाव हारने पर सीएम धामी ने कहा कि दुष्प्रचार किया गया कि मेरे चुनाव जीतने और सीएम बनने पर थारू बोक्सा जनजाति की जमीन छीन लेंगे। नतीजतन मैं चुनाव हार गया। लेकिन सब अफवाह साबित हुआ।

भीमताल में युवतियों के शोषण के आरोप पर बवाल, बाजार बंद, कोतवाली का घेराव

भीमताल। यहां एक युवक पर युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर शोषण करने के आरोपों को लेकर माहौल तनावपूर्ण हो गया। आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने बाजार बंद कर विरोध प्रदर्शन किया तथा कोतवाली का घेराव किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक पर आरोप है कि वह अपनी पहचान छिपाकर क्षेत्र की युवतियों से संपर्क बनाता था और बाद में उनका शारीरिक, मानसिक व आर्थिक शोषण करता था। पीड़ित पक्ष द्वारा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है, लेकिन गिरफ्तारी में देरी से लोगों में आक्रोश है।

घटना के विरोध में भीमताल के व्यापारियों ने पूरा बाजार बंद रखा। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य मार्गों पर जाम लगाकर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। उनका कहना है कि शिकायत दर्ज होने के बावजूद आरोपी के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

गुस्साए लोगों ने कोतवाली पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। स्थिति को देखते हुए क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को पूरे जनपद में फैलाया जाएगा। इधर पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और साक्ष्यों के आधार पर जल्द ही आरोपी को हिरासत में लिया जाएगा। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

रोमियो लेन बार प्रकरण पर एनएसयूआई का उग्र प्रदर्शन

देहरादून। एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने रोमियो लेन बार प्रकरण को लेकर आज पुलिस मुख्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने गढ़वाल आईजी राजीव स्वरूप के खिलाफ नारेबाज़ी करते हुए उनका पुतला दहन किया और आईजी गो बैक के नारे लगाए। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि देहरादून में कई बारों के संचालन में पुलिस की कथित हिस्सेदारी है। उनका आरोप है कि रोमियो लेन बार प्रकरण भी इसी मिलीभगत का हिस्सा है, जिसकी निष्पक्ष जांच नहीं हो रही है। छात्र नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने इस पूरे प्रकरण की न्यायिक जांच की मांग भी उठाई। वहीं, पुलिस विभाग की ओर से इन आरोपों पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

मोरा गांव में पिंजरे में कैद हुआ गुलदार, वन विभाग को बड़ी सफलता

हल्द्वानी/भीमताल। उत्तराखंड के नैनीताल जनपद से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले कई दिनों से दहशत का कारण बना गुलदार आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। मोरा गांव में देर रात चलाए गए ट्रैपिंग अभियान के दौरान यह सफलता हाथ लगी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

वन विभाग ने बढ़ती वन्यजीव हमलों की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्र के संवेदनशील गांवों में पिंजरे लगाए थे। लगातार निगरानी और रणनीतिक कार्रवाई के चलते देर रात एक गुलदार पिंजरे में फंस गया। विभागीय टीम मौके पर पहुंचकर उसे सुरक्षित कब्जे में लेकर आगे की प्रक्रिया में जुट गई है।

हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पकड़ा गया गुलदार वही आदमखोर है या नहीं, जिसने हाल के दिनों में इंसानों पर हमला किया था। वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, गुलदार के व्यवहार और गतिविधियों का अध्ययन करने के बाद ही इसकी पुष्टि की जाएगी।

गौरतलब है कि पास के भदयूनी गांव में हाल ही में कमल बिष्ट और हेमा पांडे पर हुए हमलों के बाद पूरे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ था। ग्रामीणों ने वन विभाग से त्वरित कार्रवाई की मांग की थी, जिसके बाद विभाग ने ट्रैपिंग अभियान तेज किया।

फिलहाल गुलदार के पकड़े जाने से क्षेत्र में राहत जरूर महसूस की जा रही है, लेकिन जब तक यह पुष्टि नहीं हो जाती कि यही आदमखोर है, तब तक लोगों में आशंका बनी हुई है। वन विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और रात के समय अनावश्यक बाहर न निकलने की अपील की है।

सम्पादकीय

महिला आरक्षणः कानून से क्रियान्वयन तक की राजनीतिक परीक्षा

भारत में महिला सशक्तिकरण की बहस एक बार फिर राजनीतिक केंद्र में है। संसद द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग प्रशस्त किया, लेकिन इसका क्रियान्वयन अब राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के घेरे में आ गया है। भारतीय जनता पार्टी इसे ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इसे अधूरा वादा और राजनीतिक रणनीति का हिस्सा बताकर सरकार को घेर रही है। किसी भी सुधार की वास्तविक सफलता उसके कागज़ी अस्तित्व में नहीं, बल्कि ज़मीनी क्रियान्वयन में निहित होती है। महिला आरक्षण कानून भी इसी कसौटी पर खड़ा है। सरकार का तर्क है कि जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही इसे लागू किया जा सकता है। तकनीकी दृष्टि से यह तर्क उचित प्रतीत होता है, परंतु राजनीतिक रूप से यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह प्रक्रिया अनावश्यक रूप से लंबी खींची जा रही है? कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की आपत्तियाँ पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकतीं। तत्काल क्रियान्वयन की मांग के साथ-साथ ओबीसी महिलाओं के लिए उप-कोटा की बात सामाजिक न्याय के व्यापक संदर्भ को सामने लाती है। भारत जैसे विविध समाज में केवल सामान्य आरक्षण से समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा या नहीं, यह एक गंभीर विमर्श का विषय है। यह स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का मुद्दा केवल सामाजिक सुधार तक सीमित नहीं है; यह चुनावी रणनीति का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। भाजपा इसे नारी शक्ति के सम्मान के रूप में प्रस्तुत कर महिला मतदाताओं को साधना चाहती है, वहीं कांग्रेस इसे वादा बनाम हकीकत के रूप में पेश कर सरकार की मंशा पर सवाल उठा रही है। परंतु इस राजनीतिक खींचतान में असली मुद्दा कहीं पीछे छूटता दिख रहा है। महिलाओं की वास्तविक भागीदारी और सशक्तिकरण। महिला आरक्षण कानून भारत की लोकतांत्रिक संरचना को अधिक समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसे प्रभावी बनाने के लिए तीन बातों पर तत्काल ध्यान देना आवश्यक है। समयबद्ध क्रियान्वयन की स्पष्ट रूपरेखा,सामाजिक विविधता को ध्यान में रखते हुए समावेशी प्रावधान,राजनीतिक इच्छाशक्ति, जो कानून को वास्तविक परिवर्तन में बदले। महिला आरक्षण पर भाजपा और कांग्रेस का टकराव लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन यह टकराव तब तक सार्थक नहीं होगा जब तक यह ठोस समाधान की दिशा में न बढ़े। कानून बनाना पहला कदम है, असली परीक्षा उसके निष्पादन में है। यदि भारत को सचमुच नारी शक्ति का युग बनाना है, तो राजनीति को आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठकर यह सुनिश्चित करना होगा कि यह कानून सिर्फ घोषणा नहीं, बल्कि बदलाव का वास्तविक माध्यम बने।

टॉपर्स से संवाद कर डीएम ने मेधावियों को किया सम्मानित

डीएम बोली-बागेश्वर के टॉपर्स का दमदार प्रदर्शन, बेटियों ने बढ़ाया गौरव

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

बागेश्वर। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। जिला सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए तथा उनके उज्वल भविष्य की कामना की।

सम्मान समारोह में जिलाधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ते रहने और उच्च लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, अभिभावकों और शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन से ही विद्यार्थी इस मुकाम तक पहुंचते हैं। उन्होंने बच्चों को अपने पाठ्यक्रम के साथ साथ न्यूज पेपर पढ़ने, करंट अफेयर्स पर भी नजर रखने को कहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी सफलता के अनुभव साझा किए और भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। विदित है कि जिलाधिकारी की अभिनव पहल के तहत 11 फरवरी को जनपद के समस्त 101 शासकीय एवं अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में परीक्षा संबंधी जागरूकता एवं प्रेरणा कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अभियान के अंतर्गत 101 अधिकारियों ने 101 विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधा संवाद किया और उन्हें परीक्षा की बेहतर तैयारी हेतु महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया गया था।

सम्मानित छात्रों में इंटरमीडिएट में गीतिका पन्त ने 98फीसदी अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया। खुशी काण्डपाल ने 96.40फीसदी के साथ पांचवावां स्थान प्राप्त किया। दीक्षा काण्डपाल एवं रोहित सिंह मेहता ने 94.60प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से 14वां स्थान हासिल किया। विवेक सिंह देव 94प्रतिशत अंक लाकर 17वें, स्नेहा आर्या 92.80प्रतिशत अंकों से 23वें तथा अनीशा सिंह एवं आशीष लोहनी 92.60 प्रतिशत अंकों के साथ प्रदेश में 24वें स्थान पर रहे। हाईस्कूल परीक्षा में योगेश जोशी ने 97.80प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त किया। नैन्सी नगरकोटी 95.60 फीसदी अंक लाकर 10वें, लोकेश सिंह नेगी 94.80 प्रतिशत अंक लाकर 14वें, तमन्ना ऐठानी 93.20फीसदी से 22वें, साक्षी मेहता 93फीसदी से 23 वें तथा रविकान्त एवं नेहा ऐठानी 92.60 फीसदी अंक प्राप्त कर प्रदेश में 25 वें स्थान पर रहे। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी एन एस नबियाल, उप जिलाधिकारी प्रियंका रानी,मुख्य शिक्षा अधिकारी विनय कुमार सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी, शिक्षकगण एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

खेत में आग बुझाने गया किसान जिंदा जला, मौके पर मौत

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

सितारगंज। खेत में लगी आग बुझाने के दौरान एक किसान की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार, ग्राम सैजनी निवासी 45 वर्षीय गुरबाज सिंह पुत्र जीत सिंह सोमवार दोपहर करीब 3.30 बजे गेहूं के खेत में लगी आग बुझाने के लिए पहुंचे थे। आग तेजी से फैल रही थी, इसी दौरान वह लपटों में घिर गए और गंभीर रूप से झुलस गए। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस और 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची और घायल किसान को उप जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि गुरबाज सिंह गांव में पत्नी मनप्रीत कौर के साथ रहते थे, जबकि उनके दोनों बेटे विदेश में कार्यरत हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार को सांत्वना दी।

कैबिनेट मंत्री बत्रा ने किया बायोटेक भवन का लोकार्पण

उत्पादकता बढ़ाने में जैवप्रौद्योगिकी की भूमिका अहमः प्रदीप

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

पंतनगर। मंत्री परिवहन, सूचना प्रोद्योगिकी एवं सुराज, विज्ञान प्रोद्योगिकी एवं प्रोद्योगिकी उत्तराखंड प्रदीप बत्रा ने आज गोविन्द वल्लभ पंत कृषि एवं प्रोद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में बतौर मुख्यातिथि जैव प्रोद्योगिकी परिषद मुख्यालय का लोकार्पण शिलापट्ट का अनावरण कर किया। इस कार्य का शुभारम्भ माननीय मंत्री श्री बत्रा ने दीप प्रज्वलित कर व राष्ट्र गीत वन्देमातरम के गायन के साथ किया।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि कृषि उत्पादकता में जैवप्रौद्योगिकी की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने वैज्ञानिक सोच तथा वैज्ञानिक तकनीकों सहित उत्पादों के आयात को बढ़ावा देने पर बल दिया। उन्होंने रसायन रहित फसल उत्पादन हेतु जैवप्रौद्योगिकी आधारित प्रजातियों को विकसित करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। माननीय मंत्री प्रदीप बत्रा ने परिषद के कई उत्पादों नैनो उर्वरक, हर्बल ग्रीन टी, हर्बल साबुन, समरानी कप व मशरूम अचार का विमोचन कर जनता को समर्पित किया। इससे पूर्व माननीय मंत्री ने जैव प्रोद्योगिकी भवन के प्रयोगशाला व पुस्तकालय का निरिक्षण भी किया। इस दौरान माननीय मंत्री को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

निदेशक बायोटेक डॉ. संजय कुमार ने परिषद के समस्त गतिविधियों व नवीन योजनाओं को विभागीय मंत्री को अवगत कराया। निदेशक, यूसीबी ने बताया कि परिषद् का उद्देश्य शोध व विकास कार्यों को प्रदेश के किसानों, युवाओं व उद्यमियों तक पहुंचना है।अतिथि के रूप में पूर्व विधायक राजेश शुक्ला एवं प्रगतिशील किसान डॉ. एस.एस. गौरैया ने सम्बोधित किया। इस दौरान प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में एक पेड़ माँ के नाम मिशन के तहत वृक्षारोपण किया गया व मंत्री प्रदीप बत्रा ने रूद्राक्ष का पेड़ लगाया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. मणिन्द्र मोहन व डॉ. कंचन कार्की ने किया।इस अवसर पर डॉ. समीना मेहताब, डॉ. रविन्द्र सिंह, डॉ. के.सी. वर्मा, डॉ. रत्ना राय, डॉ. आर. के. शर्मा, डॉ. आशुतोष मिश्रा, डॉ. गुरविन्दर सिंह सहित डॉ. सुमित पुरोहित सहित परिषद के अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी उपस्थित रहे।

आवश्यकता है

हल्द्वानी शहर में तेज तर्रार रिपोर्टर चाहिए, वेतन योग्यतानुसार, इसके साथ ही नैनीताल, खटीमा, सितारगंज, किच्छा, बाजपुर, रामनगर, काशीपुर, देहरादून, हरिद्वार व ऋशिकेष आदि स्थानों पर संवाददाताओं व मार्केटिंग के लिए अनुभवी युवक-युवतियों की शीघ्र आवश्यकता है शीघ्र सम्पर्क करें अथवा अपना बायोडाटा मेल करें।

E-mail. editordaillyparvatprerna@gmail.com

मोबा. 9927213408, 8279487735

आपका सुझाव - हमारी दिशा

प्रिय स्नेही जन

इस कॉलम के माध्यम से आप हमें यह बता सकते हैं कि 'पर्वत प्रेरणा' में आप क्या देखना चाहते हैं। कौन से मुद्दे उठाए जाएं क्या बेहतर हो, हम आपके सुझावों को गंभीरता से लेंगे और आपके नाम के साथ उन्हें प्रकाशित करेंगे।

हमें लिखें,भेजें ।

editordaillyparvatprerna@gmail.com

WhatsApp:9927213408

सम्पादकः सुरेश पाठक

सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एवं स्वामी **सुरेश पाठक** द्वारा भीड़ापानी ओखलकांडा प्रिंटिंग प्रेस भोलानाथ गार्डन हल्द्वानी से मुद्रित तथा साईं कालोनी नियर साईं मन्दिर, बजूनिया हल्दू, पो. कठघरिया, हल्द्वानी नैनीताल, उत्तराखण्ड से प्रकाशित। मो. 9927213408, 8279487735

E-mail. editordaillyparvatprerna@gmail.com

जनसुनवाई में आई समस्याओं का हो त्वरित समाधान : डीएम

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

पिथौरागढ़। जिलाधिकारी आशीष कुमार भटगांई ने अधिकारियों को जनसुनवाई में उठाई गई? जन समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए हैं। डीएम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में जनपद के दूर-दराज क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं एवं शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कीं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान कुल 39 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें पेयजल, सड़क, विद्युत, शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य,राजस्व, रोजगार, शहरी व्यवस्थाएं एवं अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से शामिल रहीं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक प्रकरण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

जनसुनवाई में नगर क्षेत्र से संबंधित कई महत्वपूर्ण समस्याएं सामने आईं।

नागरिकों द्वारा अवगत कराया गया कि नगर निगम क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट दिन के समय भी लगातार जलती रहती हैं, जिससे विद्युत की अनावश्यक बर्बादी हो रही है। इसके अतिरिक्त नगर क्षेत्र में साफ-सफाई की स्थिति चिंताजनक बताई गई, जहां अधिकांश नालियां बंद पड़ी हैं तथा नियमित सफाई नहीं हो रही है।'सुलभ शौचालयों' में भी अत्यधिक गंदगी की शिकायतें प्राप्त हुईं। राष्ट्रीय राजमार्ग (ह॥) के किनारों पर साफ-सफाई की कमी, अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही न होने तथा प्राइवेट स्कूलों की बसों में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाए जाने (ढोने) जैसी गंभीर समस्याएं भी नागरिकों द्वारा उठाई गईं। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को इन सभी मामलों में तत्काल कार्रवाई करते हुए सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। ग्राम घुरौली के निवासियों द्वारा एक महत्वपूर्ण प्रकरण जिलाधिकारी के समक्ष रखा गया। बताया गया कि गांव में संचालित पेयजल योजना पिछले लगभग 40-42 वर्षों से जल संस्थान के अधीन संचालित है।

लगभग दो वर्ष पूर्व इस योजना को चंडिका घाट पंपिंग योजना से जोड़ने का प्रयास किया गया था, जिसका ग्रामवासियों द्वारा विरोध किया गया था। वर्तमान में पुन: यह सूचना प्राप्त हो रही है कि उक्त पेयजल योजना को जल संस्थान से हटाकर जल निगम को हस्तांतरित किया जा रहा है, जिसका ग्रामीणों ने कड़ा विरोध जताया। ग्रामवासियों ने मांग की कि योजना को पूर्व की भांति जल संस्थान के अधीन ही संचालित रखा जाए, ताकि पेयजल आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा या असुविधा उत्पन्न न हो। जिलाधिकारी ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को विस्तृत जांच कर उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में मोड़ी गांव स्थित गुप्त गुफा के पर्यटन विकास हेतु इसे जिला योजना में शामिल किए जाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। जिलाधिकारी ने इस प्रस्ताव का संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को आवश्यक कार्यवाही एवं संभावनाओं के परीक्षण के निर्देश दिए। उत्तराखण्ड जल संस्थान से पेयजल योजनाओं के जल निगम में हस्तांतरण के चलते पीटीसीसी एवं संविदा श्रमिकों के कार्य एवं वेतन से संबंधित समस्याओं को लेकर भी प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। कर्मचारियों ने कार्य व्यवस्था एवं भुगतान में उत्पन्न कठिनाइयों की ओर ध्यान आकर्षित किया। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे कार्य प्रभावित न हो और कर्मचारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनसुनवाई का मुख्य उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय सीमा के भीतर निस्तारण करते हुए आख्या प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी शिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी का परिचय दें तथा प्रत्येक प्रकरण में गुणवत्ता सुनिश्चित करें। जनसुनवाई कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह, डीडीओ रमा गोस्वामी, सीएमओ डॉ. एस. एस. नबियाल, उपप्रभागीय वनाधिकारी राजकुमार, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र कविता भगत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रुद्रपुर पहुंचने पर कैबिनेट मंत्री बत्रा का जोरदार स्वागत

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर।उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा के रुद्रपुर नगर निगम आगमन पर उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर नगर के महापौर विकास शर्मा , जिला मंत्री प्रमोद मित्तल और भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री धीरेंद्र मिश्रा के साथ मिलकर मंत्री जी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया और जनहित के विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। कैबिनेट मंत्री बत्रा ने कहा कि भाजपा सरकार पूरे राज्य में निरंतर विकास कार्य योजनाएं चल रही है जिसका लाभ आम जनमानस को मिल रहा है।

उन्होंने कहा की परिवहन विभाग को और भी आधुनिक व सशक्त बनाया जाएगा ताकि यात्रियों को सुविधा हो सके। उन्होंने कहा कि मिशन 2017 के लिए भारतीय जनता पार्टी पूरी तरह से गंभीर है और निरंतर कार्यकर्ताओं से संपर्क किया जा रहा है ताकि जन-जन की लोकप्रिय सरकार बीजेपी पुन: राज्य में अपनी सरकार बनाएं और विकास को नई गति दे सके। उन्होंने नगर निगम द्वारा कराये जा रहे कार्यों की भी सराहना की साथ ही महापौर विकास शर्मा, प्रदेश मंत्री प्रमोद मित्तल और किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री धीरेंद्र मिश्रा से भी विस्तार से चर्चा की।

पोनिया बंदूक व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

सितारगंज। पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध असलाह के साथ गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक पोनिया बंदूक, तीन जिंदा कारतूस और नौ खोखा कारतूस बरामद हुए हैं।जानकारी के अनुसार, सरकड़ा चौकी पुलिस टीम ने रविवार शाम ग्राम खुनसरा के पास संदिग्ध हालत में एक व्यक्ति को रोका। पूछताछ में उसने अपना नाम फुम्मन सिंह पुत्र बंता सिंह, निवासी ग्राम कौंधारतन पटिया बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से असलाह व कारतूस बरामद किए गए।पुलिस के अनुसार, आरोपी के शरीर पर चोट के निशान पाए गए। इस पर उसने बताया कि शनिवार रात उसके बेटे ने घर में उसके साथ मारपीट की थी।पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पेड़ पर लटका मिला युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

सितारगंज। नगर के वार्ड नंबर 10 बलीनगर क्षेत्र में सोमवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका मिलने पर इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार स्थानीय लोगों ने एक युवक को जामुन के पेड़ से फंदे पर लटका देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने युवक को नीचे उतरवाया। मृतक की पहचान 25 वर्षीय सलीम पुत्र शराफत अली निवासी बलीनगर के रूप में हुई है।परिजनों के मुताबिक मृतक राजमिस्त्री का कार्य करता था और कुछ समय से घरेलू तनाव से गुजर रहा था। करीब 10 दिन पूर्व उसका पत्नी से विवाद हुआ था, जिसके बाद पत्नी मायके चली गई थी। इसके अलावा शराब को लेकर भी घर में विवाद की स्थिति बनी रहती थी। पुलिस ने मौके से साक्ष्य एकत्र कर मृतक का मोबाइल फोन कब्जे में लिया है। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

श्री राम कथा में राम और केवट संवाद का वर्णन

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर। निकटवर्ती गांव फुलसूंगा में सात दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। पूर्वांचल सेवा समिति के तत्वाधान में फुलसूंगा स्थित जेष्ठा प्लेटिनम टावर के समीप श्री राम कथा आयोजित की जा रही है। जिसमें परम पूज्य श्री शांतनु जी महाराज के मुखारविंद से श्री राम कथा का वर्णन किया जा रहा है। जिसमें गत रात्रि श्री राम और केवट संवाद बताया गया। बीती रात बतौर मुख्य अतिथि समाजसेवी और वरिष्ठ भाजपा नेता भारत भूषण चुघ रहे। महाराज जी ने बताया की किस प्रकार गंगा नदी को पार करने के लिए प्रभु श्री राम ने केवट की नाव का सहारा लिया और वह गंगा नदी पार कर पाए। उन्होंने कहा कि प्रभु राम ने राक्षसों का नाश करने के लिए जहां वानरों को अपनी सेना बनाया ।वही समाज के सभी लोगों का भी सहयोग लिया।। इससे पूर्व समाजसेवी और भाजपा नेता चुघ ने श्री शांतनु जी महाराज को पुष्पगुच्छ भेंटकर वह शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया व उनसे आशीर्वाद भी प्राप्त किया। चुघ ने कहा श्री राम कथा का श्रवण करने से मनुष्य के पापों और अहंकार का समापन होता है। होने का की प्रभु की भक्ति में ली रहकर ही मनुष्य सद्मार्गी और बढ़ सकता है उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से श्री शांतनु जी महाराज ने श्री राम केवट संवाद का वर्णन किया वह प्रेरणादाई है कि किस प्रकार प्रभु राम समाज के सभी वर्गों को सम्मान देते थे और उनके साथ चलते थे। उन्होंने कहा कि प्रभु राम के आदर्श और विचार आज भी प्रासंगिक हैं। आज की युवा पीढ़ी को अपने धर्म और आध्यात्म के प्रति सदैव सजग रहना चाहिए और धर्म का मार्ग अपनाना चाहिए। इस दौरान दूधिया बाबा मंदिर के स्वामी शिवानंद जी महाराज,आलोक प्रताप सिंह, नीरज कुमार सिंह, सोनू ठाकुर ,रजत दिक्षित, अमित गौड़, यश सिंह,सोनू शर्मा, सार्थक समेत तमाम श्रद्धालु मौजूद थे।

गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग तेज

टनकपुर में निकली ऐतिहासिक जन-जागरण रैली

टनकपुर। गौ सम्मान आह्वान अभियान के अंतर्गत सोमवार को देशभर के साथ-साथ टनकपुर में भी गौ सम्मान दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गौसेवकों और विभिन्न हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से शिवालिक चौक से तहसील परिसर तक एक विशाल जन-जागरण रैली निकाली।

रैली के दौरान पूरा नगर गौ माता की जय के नारों और भगवा ध्वजों से गूंज उठा। प्रतिभागियों ने गाय को 'राष्ट्र माता' घोषित करने की मांग को लेकर जनजागरूकता फैलाने का प्रयास किया।

रैली का समापन तहसील परिसर में हुआ, जहां प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के

नाम संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रेषित किया। ज्ञापन में गाय को 'राष्ट्रीय माता' घोषित करने तथा उसके संरक्षण और संवर्धन के लिए सख्त कानूनी प्रावधान लागू करने की मांग की गई। गौसेवकों ने कहा कि जब तक गाय को उचित सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इस कार्यक्रम में पंचमुखी गौशाला के गौसेवक हेमंत बिष्ट, कालाझाला गौशाला के संत संध्यागिरी महाराज, अजय गिरी महाराज, आदर्श कृष्ण शास्त्री, धर्मानंद पांडे, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष निर्मल थ्वाल, बजरंग दल के महामंत्री नरेश विश्वकर्मा, सत्यम शर्मा, विक्की शपरा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

जनता दरबार में शिकायतों का जिलाधिकारी ने किया निराकरण

पेयजल, सड़क व अन्य समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश, ई ऑफिस के माध्यम से पत्रावलियां प्रेषित करने के निर्देश।

बागेश्वर । जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें शिकायतकर्ताओं ने अपनी समस्याएं सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। इस दौरान मुख्यत: सड़क, बिजली, पेयजल सहित विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों के शीघ्र समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया।जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों के क्रम में खुनौली में शिकायत कर्ता के घर में पेयजल समस्या के समाधान हेतु जल संस्थान,डोला में सीसी खड़ंजा निर्माण के लिए जिला पंचायत ,मंडल सेरा में आधार केंद्र की स्थापना को लेकर ईडीएम को सर्वे करने तथा बनलेख गड़ेत सड़क के एलाइनमेंट को अंतिम रूप देने हेतु पीएमजीएसवाई को निर्देशित किया।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कांडा पंपिंग योजना के अंतर्गत सभी गांवों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए अधिशासी अभियंता जल निगम को टेस्टिंग कराते हुए गांवों को जोड़ने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सीएम घोषणाओं, सीएम हेल्पलाइन एवं जनपद स्तरीय हेल्पलाइन 'हैलो बागेश्वर' पर लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतकर्ताओं से शत-प्रतिशत कॉलिंग करने के भी निर्देश दिए।जिला योजना में स्वीकृत कार्यों को लेकर सभी निर्माणदायी संस्थाओं को 30 अप्रैल तक टेंडर प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अनटाइड फंड एवं आपदा मद से स्वीकृत कार्यों को मई माह के अंत तक पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने चेतावनी देते हुए सभी विभागों को ई-ऑफिस प्रणाली का अनिवार्य रूप से उपयोग करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी आर.सी. तिवारी, अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गढ़वाल मंडल में 44 कनिष्ठ सहायकों को मिले नियुक्ति पत्र

श्रीनगर गढ़वाल। पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में आज एक भव्य समारोह के दौरान उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण कर गढ़वाल मंडल के लिए चयनित 44 कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे।इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल एक विभाग नहीं, बल्कि समाज के भविष्य निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने नव-नियुक्त कर्मचारियों से समर्पण, सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की ईमानदारी और लगन से ही शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव संभव है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण वातावरण मिल सकेगा।कार्यक्रम में प्रारंभिक शिक्षा निदेशक और मंडलीय अपर निदेशक कंचन देवराड़ी ने भी विभागीय योजनाओं और नवाचारों की जानकारी दी और उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।इस दौरान पूर्व राज्य मंत्री अतर सिंह असवाल, ब्लॉक प्रमुख अनिल भंडारी समेत कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में खंड शिक्षा अधिकारी अश्वनी रावत और प्रधानाचार्य मीना गैरोला ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

सड़क में डामरीकरण होने तक फिसलन वाले स्थानों में पक्का खड़ंजा करने की मांग

प्रदर्शन कर पक्का खड़ंजा किए जाने की उठाई मांग।

बागेश्वर। कच्ची सड़क पर डामरीकरण होने तक पक्का खड़ंजा बिछाने की मांग को लेकर डौला के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। ग्रामीणों के शिष्टमंडल ने बारिश के दिनों में सड़क चलने लायक नहीं रह जाने, खड़िया खनन क्षेत्र होने के कारण मार्ग पर फिसलन बढ़ने से आए दिन लोगों के फिलसने से चोटिल होने,साथ ही सड़क पर कई दोपहिया वाहन चालकों के रपटने से घायल होने के आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने डामरीकरण होने तक मार्ग पर पक्का खड़ंजा बिछाने की मांग की है। जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर गांव का भ्रमण कर सड़क का निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति से रूबरू होने की मांग की । ग्राम प्रधान उमा देवी के नेतृत्व में ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे। यहां नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि उनके गांव में कई बुनियादी समस्याएं हैं। जिन्हें समय-समय पर प्रशासन को अवगत भी कराया जाता है, लेकिन समस्या आज भी जस की तस बनी हैं। सबसे गंभीर समस्या सड़क की है। जो सड़क बनी है वह नाममात्र की रह गई है। बारिश के चलते सड़क पूरी तरह ध्वस्त हो गई है। गांव की स्थिति अत्यंत संवेदनशील है। गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों तथा बीमार लोगों को यदि अचानक अस्पताल लाना पड़े तो समय पर पहुंचना नामुमकिन है। खड़िया मिट्टी होने के करण थोड़ी सी बारिश में सड़क फिसलन से आवागमन में दिक्कत होने और रपटने से चोटिल होने की बात कही। उन्होंने सड़क में डामरीकरण होने तक मार्ग में पत्थर का खड़ंजा बनाने की मांग की है। ताकि बारिश के दिनों में लोग आसानी से पैदल यात्रा कर सकें। इस मौके पर हरुली देवी, भावना दानू, किरन दानू, हरीश चंद्र सिंह, खीम सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे। वही जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभाग को सड़क निर्माण में सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए ग्रामीणों को होने वाली असुविधा का निराकरण करने के निर्देश दिए।

अक्कल धारे के संरक्षण व सौंदर्य करण की मांग शराबी फैला रहे हैं गंदगी

लोहाघाट चंपावत। लोहाघाट राजमार्ग में स्थित अक्कल धारे के संरक्षण की मांग उठी है। अक्कल धारे से प्रतिदिन राजमार्ग से गुजरने वाले सैकड़ो यात्री व स्थानीय लोग पानी भरते हैं। अक्कल धारा बरसों से लोगों की प्यास बुझाते आ रहा है। पर शराबियों के द्वारा अक्कल धारे को शराब पीने का अड्डा बना लिया है। इन लोगों के द्वारा शराब पीकर अक्कल धारे व उसके आसपास काफी गंदगी की जा रही है। जिस कारण धारे के आसपास बड़ी संख्या में गंदगी व शराब की खाली बोतले पड़ी हुई हैं इसके अलावा एनएच की नाली बंद होने से भी पानी जमा होने के कारण भी काफी गंदगी हुई है। मामले में स्थानीय लोगों ने इस प्राचीन धारे के संरक्षण व सौंदर्य करण की मांग प्रशासन से उठाई है। लोगों ने इस स्थान पर शराब पीने व गंदगी करने वाले लोगों पर लगाम लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरे तथा सोलर लाइट लगाने तथा अक्कल धारे के सौंदर्य करण व बंद पड़ी नालियों को खोलने की मांग की है। लोगों ने कहा यह धारा रोज सैकड़ो लोगों की प्यास बुझाने के साथ-साथ नगर वासियों के लिए भी पेयजल का एक प्रमुख स्रोत है तथा लोहाघाट क्षेत्र की पहचान है। लोगों ने कहा इसका संरक्षण होना अत्यंत आवश्यक है।

मजाकिया अंदाज में जबाब देने और मोबाइल में व्यस्त रहने पर डीएम सख्त

बागेश्वर,। जनता दरबार लगाकर जनता की समस्याओं को सुनकर उनका उचित समय पर समाधान करने के जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे द्वारा सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। वही कलक्ट्रेट में आयोजित जनता दरबार के दौरान जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे स्वास्थ विभाग की समस्या पर विभागीय अधिकारी से जबाब देने हेतु कहा,वही जबाब में अधिकारी द्वारा अलग अंदाज से जबाब देने पर डीएम ने सख्ती दिखाई। एसीएमओ अमित मिश्रा द्वारा जबाब में बागेश्वर में पड़े हैं, इसलिए काम कर रहे हैं कहे जाने पर डीएम ने कड़ा रुख अपनाते हुए उनसे तत्काल बयान का आशय स्पष्ट करने को कहा। इसी दौरान अधिकारी द्वाराजनता दरबार मे फोन में बात करने पर इसे अनुशासनात्मक नियमावली के विरुद्ध बताते हुए डीएम ने फोन जब्त करने के निर्देश दिए और मामले में मुख्य विकास अधिकारी को पत्र लिखने को कहा। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि अधिकारियों को अपनी कार्यशैली में सुधार लाना होगा और लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं होगी।

पांच वर्षीय पर्यावरण मित्र गोलू पुरी बने युवा पर्यावरण योद्धा

गरुड़, पर्वत प्रेरणा संवाददाता, । पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में बाल अवस्था से ही उल्लेखनीय योगदान दे रहे पर्यावरण मित्र गोलू पुरी, जनपद बागेश्वर के गाँव मजकोट के निवासी हैं। वे आज सामाजिक और डिजिटल मंचों पर एक प्रेरणादायक नाम बन चुके हैं। मात्र पाँच वर्ष की आयु से पर्यावरण जागरूकता के लिए निरंतर सक्रिय गोलू पुरी अपने समर्पण, अनुशासन और अथक प्रयासों के कारण समाज में विशेष पहचान स्थापित कर चुके हैं। गोलू पुरी को विशेष रूप से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के लिए जाना जाता है। इस अभियान के अंतर्गत वे अब तक 500 से अधिक पौधों का रोपण कर चुके हैं। उनके इस अभियान की शुरुआत उन्हें अपने पिता श्री मदन पुरी (प्रधानाचार्य, राजकीय इंटर कॉलेज छत्यानी, बागेश्वर) तथा अपने परिवारजनों की प्रेरणा से मिली। पारिवारिक संस्कार और मार्गदर्शन ने गोलू पुरी को बाल अवस्था से ही प्रकृति संरक्षण की दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।नववर्ष के अवसर पर भी गोलू पुरी द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया गया। इसके साथ ही उन्होंने पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु कई महत्वपूर्ण अभियानों की शुरुआत की है, जिनमें एक पेड़ माँ के नाम अभियान, पर्यावरण जागरूकता अभियान,बीजों को जीवन दो अभियान;प्रमुख हैं। प्रकृति के प्रति उनके निरंतर समर्पण और सकारात्मक प्रयासों के कारण लोग उन्हें स्नेहपूर्वक पर्यावरण मित्र, युवा पर्यावरण योद्धा और एनवायरमेंट हीरो जैसे सम्मानजनक नामों से संबोधित कर रहे हैं। गोलू पुरी का यह कार्य न केवल युवाओं बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत बन रहा है।

देवप्रयाग व कीर्तिनगर में गौ सम्मान आवाहन अभियान, संतों व गौ-प्रेमियों ने सौंपा ज्ञापन

टिहरी गढ़वाल,अंकित उनियाल। देवप्रयाग और कीर्तिनगर तहसील में गौ

सम्मान आवाहन अभियान के तहत एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संत स्वामी नित्याबोधानंद सरस्वती के नेतृत्व में साधु-संतों, गौ-प्रेमियों और समाज के जागरूक नागरिकों ने भाग लिया। इस दौरान देवप्रयाग के तहसीलदार बीरम सिंह पंवार तथा कीर्तिनगर की एसडीएम मंजू राजपूत को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री और राज्यपाल से गौ माता की रक्षा, संवर्धन और सम्मान के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की गई। कार्यक्रम में इंद्र दत्त रतूड़ी सहित बड़ी संख्या में गौ-प्रेमी और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे, जिन्होंने गौ संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पुल्ला गुमदेश उप तहसील का मुख्यालय अब किमतोली में शासन की अधिसूचना जारी

लोहाघाट। उत्तराखंड शासन के राजस्व अनुभाग-1 द्वारा जनपद चम्पावत की उप तहसील पुल्ला गुमदेश के मुख्यालय परिवर्तन के संबंध में महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी की गई है। यह निर्णय प्रशासनिक सुगमता एवं क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्यपाल द्वारा उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 की धारा 21 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पूर्व में निर्गत अधिसूचनाओं में संशोधन की स्वीकृति प्रदान की गई है। नवीन आदेश के तहत अब उप तहसील पुल्ला गुमदेश का मुख्यालय पूर्व में निर्धारित गुरेली के स्थान पर किमतोली में स्थापित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि उक्त उप तहसील का सृजन दिनांक 31 जनवरी 2015 को छीड़ाखाल को मुख्यालय बनाकर किया गया था, जिसके पश्चात संशोधन कर मुख्यालय गुरेली स्थानांतरित किया गया। वर्तमान अधिसूचना के माध्यम से अब किमतोली को नया प्रशासनिक मुख्यालय घोषित किया गया है।

पंचायत स्तरीय विकास कार्यों की समीक्षा, पारदर्शिता व गुणवत्ता पर जोर

उत्तरकाशी, संवाददाता। विकास भवन सभागार में सोमवार को मुख्य विकास अधिकारी जय भरत सिंह की अध्यक्षता में विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) तथा पंचायत स्तरीय विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसके साथ ही 'वीबीजी रामजी' प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे, जबकि विकास खंड अधिकारी, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी और ग्राम प्रधान वर्चुअल माध्यम से जुड़े। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना और क्षेत्र के समग्र विकास को गति देना है। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जीपीडीपी/बीपीडीपी से संबंधित कार्यों, ग्राम सभा प्रस्ताव, खुली बैठकों के आयोजन, बजट प्रबंधन, उपयोग प्रमाण पत्र और ऑनलाइन फीडिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सीडीओ ने कहा कि विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और जमीनी स्तर पर आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए। उन्होंने विकास खंड अधिकारियों और ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों से आपसी समन्वय के साथ योजनाओं को प्रभावी रूप से लागू करने की अपेक्षा जताई, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और आजीविका के अवसर बढ़ सकें। बैठक के अंत में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारियों का पालन करते हुए विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करें। इस दौरान परियोजना निदेशक ग्राम्य विकास अजय सिंह, जिला पंचायती राज अधिकारी केसी बहुगुणा, मुख्य उद्यान अधिकारी रजनीश सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नशा तस्करों पर प्रशासन सख्त, अवैध खेती के खिलाफ संयुक्त अभियान के निर्देश

उत्तरकाशी(पर्वत प्रेरणा संवाददाता)। नशाखोरी और अवैध मादक पदार्थों की खेती पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। सोमवार को जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में एनकोर्ड (एनसीओआरडी) जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें संबंधित विभागों को कड़े निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने वन एवं राजस्व विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद के दूरस्थ क्षेत्रों में अफीम, चरस और गांजा जैसी अवैध फसलों की पहचान कर संयुक्त रूप से छापेमारी अभियान चलाया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग को भी निर्देश दिए कि युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। बैठक में जानकारी दी गई कि नशे की रोकथाम और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना के लिए टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 1933 जारी किया गया है। इसके अलावा नशा छोड़ने के इच्छुक लोगों के लिए जिला अस्पताल में विशेषज्ञ मनोचिकित्सक एवं काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति नशे की चपेट में है तो वह बिना डर सरकारी सहायता और परामर्श सेवाओं का लाभ उठाए। बैठक में एसडीएम देवानंद शर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी शैलेंद्र अमोली, एसीएमओ डॉ. वीरेंद्र पांगती, ड्रग्स इंस्पेक्टर मोहम्मद ताजिम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

पौड़ी में ओ पी एस बहाली को लेकर कर्मचारियों का जनजागरूकता अभियान तेज

पौड़ी गढ़वाल। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर जनपद मुख्यालय पौड़ी में कर्मचारियों द्वारा जनजागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों में भ्रमण कर गेट मीटिंग के जरिए कार्मिकों को जागरूक किया गया और आगामी 1 मई 2026 को प्रस्तावित विशाल रैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कर्मचारियों की समस्याओं और भविष्य को लेकर बढ़ती चिंताओं को प्रमुखता से उठाया। फेडरेशन ऑफ मिनिस्ट्रीयल सर्विसेज एसोसिएशन के अध्यक्ष रेवती नंदन डंगवाल ने कहा कि जब जनप्रतिनिधियों को अल्प कार्यकाल में पेंशन मिल सकती है, तो लंबे समय तक सेवा देने वाले कर्मचारियों को पुरानी पेंशन से वंचित

रखना उचित नहीं है।पर्वतीय कर्मचारी शिक्षक संघ के संजय नेगी ने नई पेंशन योजना को जोखिमपूर्ण बताते हुए कहा कि कर्मचारियों की जमा पूंजी बाजार आधारित निवेश में लगाई जा रही है, जिससे उनका भविष्य असुरक्षित हो गया है।राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के प्रदेश महासचिव सीताराम पोखरियाल ने कहा कि पौड़ी की धरती से उठने वाली आवाज हमेशा निर्णायक रही है और इस बार भी कर्मचारी एकजुट होकर बड़ा संदेश देंगे। मिनिस्ट्रीयल फेडरेशन के जिला सचिव दीपक गोडियाल और कोषाध्यक्ष अंकित कठेत ने संयुक्त रूप से सभी कर्मचारियों से रैली में भारी संख्या में पहुंचकर इसे ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। इस दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारी और पदाधिकारी मौजूद रहे।

सीएमओ कार्यालय में सीवर टैंक ओवरफ्लो, सड़क पर फैली गंदगी से पार्षद आक्रोशित

अल्मोड़ा। नगर के मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय परिसर में स्थित सीवर टैंक के ओवरफ्लो होने से गंदा पानी सड़क पर बह रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को लंबे समय से परेशानी झेलनी पड़ रही है। क्षेत्र में दुर्गंध फैलने के साथ ही राहगीरों और दुकानदारों को भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। समस्या को लेकर पार्षद अमित साह %मोनू% और पार्षद ज्योति साह ने सीएमओ कार्यालय पहुंचकर अधिकारियों से मुलाकात की और तत्काल समाधान की मांग की। उन्होंने बताया कि यह समस्या काफी समय से बनी हुई है और बीती 5 अप्रैल को भी इस संबंध में सीएमओ और नगर निगम को अवगत कराया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस

कार्रवाई नहीं हुई। पार्षद अमित साह 'मोनू' ने कहा कि शहर के प्रमुख सरकारी कार्यालय में इस तरह की स्थिति व्यवस्थाओं की पोल खोल रही है। उन्होंने नगर निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सफाई और सीवर व्यवस्था को लेकर उदासीनता के कारण आम जनता परेशान है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो जनप्रतिनिधियों के साथ आंदोलन किया जाएगा। पार्षद ज्योति साह ने इसे जनस्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा बताते हुए कहा कि गंदे पानी के कारण संक्रमण फैलने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने प्रशासन से प्राथमिकता के आधार पर समस्या का समाधान करने की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमओ कार्यालय के अधिकारियों ने पार्षदों को आश्वस्त किया कि सीवर टैंक की मरम्मत और जल निकासी की समुचित व्यवस्था के लिए जल्द कार्रवाई शुरू की जाएगी। इस दौरान स्थानीय नागरिक अतुल पांडेय, अनिल पंत, पीयूष पांडेय, योगेश जोशी, शिवम जोशी, अनुज साह और विवेक बिष्ट मौजूद रहे।

चाय की दुकान में शराब परोसते पकड़ा गया दुकानदार

अल्मोड़ा। ऑपरेशन प्रहार के तहत नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में देघाट पुलिस ने चाय की दुकान में अवैध रूप से शराब परोस रहे एक दुकानदार को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के के निर्देश पर जनपद में नशे के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक हरबंस सिंह के मार्गदर्शन में थानाध्यक्ष देघाट अजेन्द्र प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रविवार को चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान मेहरगांव स्थित एक चाय की दुकान में अवैध रूप से शराब बेचने और पिलाने का मामला सामने आया। पुलिस ने मौके से दुकानदार बहादुर सिंह (46) पुत्र गोपाल सिंह निवासी महर गांव, पोस्ट रिखौन, थाना देघाट को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से तीन बोतल मैकडवल व्हिस्की, 14 पव्वे अंग्रेजी शराब, एक प्लास्टिक जग और दो डिस्पोजल गिलास बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना देघाट में आबकारी अधिनियम की धारा 60/21 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। कार्रवाई में अपर उपनिरीक्षक राजवीर सिंह, कांस्टेबल उपेंद्र सिंह और कांस्टेबल नीरज बिष्ट शामिल रहे।

डोल आश्रम के पास जंगल में लगी आग पर पाया काबू

अल्मोड़ा। डोल आश्रम के समीप जंगल में लगी आग पर सोमवार को पुलिस और फायर टीम की तत्परता से समय रहते काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान होने से बच गया। जानकारी के अनुसार जंगल क्षेत्र में भीषण आग लगने की सूचना मिलते ही स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थानाध्यक्ष लमगड़ा प्रमोद पाठक पुलिस टीम के साथ मौके के लिए रवाना हुए। वहीं फायर स्टेशन अल्मोड़ा से भी अग्निशमन कर्मियों की टीम आवश्यक उपकरणों और फायर यूनिट वाहन के साथ घटनास्थल पर पहुंची। मौके पर पुलिस और फायर टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। पुलिस टीम ने पारंपरिक तरीके से आग को पीट-पीटकर नियंत्रित किया, जबकि फायर यूनिट ने होज लाइन बिछाकर पंपिंग के जरिए प्रभावी ढंग से आग पर काबू पाया। कड़ी मशक्कत के बाद आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने भी सहयोग करते हुए पुलिस और फायर टीम के साथ मिलकर आग बुझाने में सक्रिय भागीदारी निभाई।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई, जिसमें अभियान के सफल संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि 7 मई को जनपद के सभी 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को एल्बेंडाजोल दवा अनिवार्य रूप से खिलाई जाए। उन्होंने कहा कि यह दवा बच्चों को पेट के कीड़ों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और इससे उनके स्वास्थ्य व पोषण स्तर में सुधार होता है। जिलाधिकारी ने बताया कि यह अभियान जनपद के सभी विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों और अन्य शैक्षणिक व प्रशिक्षण संस्थानों में संचालित किया जाएगा। संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि कोई भी पात्र बच्चा दवा से वंचित न रहे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जो बच्चे किसी कारणवश 7 मई को दवा नहीं ले पाएंगे, उन्हें मॉप-अप दिवस 14 मई को अनिवार्य रूप से दवा दी जाए। साथ ही अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार, दवा की पर्याप्त उपलब्धता और निगरानी व्यवस्था को मजबूत बनाने के निर्देश दिए गए, ताकि कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। बैठक में प्रभारी मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अरविंद पांगती, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ योगेश पुरोहित तथा शिक्षा व बाल विकास विभाग सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

चौखुटिया में वनाग्नि चौपाल आयोजित, जनसहभागिता बढ़ाने पर जोर

अल्मोड़ा। वनाग्नि की घटनाओं की रोकथाम के लिए विकासखंड चौखुटिया के सभागार में वनाग्नि चौपाल आयोजित की गई, जिसमें जनसहभागिता बढ़ाने और जागरूकता पर जोर दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी एवं जिला स्तरीय वनाग्नि समिति के निर्देशों के क्रम में किया गया। चौपाल के माध्यम से प्रतिभागियों को वनाग्नि के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि वनाग्नि के कारण जल स्रोत तेजी से सूख रहे हैं, जैव विविधता को नुकसान पहुंच रहा है और मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसके साथ ही वनाग्नि को ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन का भी एक प्रमुख कारण बताया गया। वक्ताओं ने आमजन से अपील की कि वे वनाग्नि के प्रति संवेदनशील बनें और इसके रोकथाम व प्रबंधन में सक्रिय सहयोग दें। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख चेतना नेगी, सहायक नोडल वनाग्नि प्रबंधन गजेन्द्र कुमार पाठक, सहायक खंड विकास अधिकारी हयात राम आर्या सहित वन विभाग, पंचायतीराज विभाग और अन्य विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेड क्रॉस दिवस को धूमधाम से मनाने की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित

अल्मोड़ा। रेड क्रॉस दिवस 8 मई को धूमधाम से मनाने के उद्देश्य से अल्मोड़ा रेड क्रॉस सोसाइटी की बैठक नगर के एक होटल में आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। बैठक में बताया गया कि 8 मई को रेड क्रॉस दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि यह इंटरनेशनल कमेटी ऑफ रेड क्रॉस के संस्थापक हेनरी डुनेंट की जयंती है। वर्ष 1948 में पहली बार यह दिवस मनाया गया था, जो मानवता, करुणा और सेवा की भावना को समर्पित है। बैठक में निर्णय लिया गया कि नियमित रूप से रक्तदान करने वाले दाताओं को इस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही रेड क्रॉस द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक आयोजनों का भी निर्णय लिया गया, जिससे लोगों की भागीदारी बढ़ाई जा सके। बैठक में जिला चेयरमैन आशीष वर्मा, सचिव विनीत बिष्ट, डॉ. जेसी दुर्गापाल, राज्य उपाध्यक्ष मनोज सनवाल, यूथ अध्यक्ष अमित शाह मोनू, यूथ सचिव मनोज भंडारी मंटू, हरीश कनवाल, देवेंद्र भट्ट, मोहन चंद्र कांडपाल और अनूप साह उपस्थित रहे।

मर्चूला में श्मशान घाट पर विवाह समारोह, वीडियो वायरल होने पर प्रशासन सख्त

अल्मोड़ा। उत्तराखंड को डेस्टिनेशन वेडिंग हब बनाने की संभावनाओं के बीच मर्चूला में श्मशान घाट पर विवाह समारोह आयोजित होने का मामला सामने आया है, जिसे लेकर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। जानकारी के अनुसार मर्चूला में रामगंगा और बदनगढ़ नदी के संगम पर स्थित अंत्येष्टि स्थल पर एक विवाह समारोह आयोजित किया गया। यह वही स्थान है जहां स्थानीय लोग अंतिम संस्कार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे स्थान पर विवाह की रस्में निभाए जाने को लेकर लोगों में हैरानी और नाराजगी दोनों देखने को मिल रही है। इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर लोगों ने सवाल उठाए हैं कि क्या वेडिंग डेस्टिनेशन के नाम पर पारंपरिक मान्यताओं को इस तरह नजरअंदाज किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी इस पर आपत्ति जताते हुए इसे स्थानीय परंपराओं के विपरीत बताया है। मामले के सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। तहसीलदार आबिद अली ने कहा कि किसी भी सार्वजनिक स्थान पर समारोह आयोजित करने के लिए अनुमति लेना अनिवार्य है। विशेष रूप से अंत्येष्टि स्थल जैसे स्थान पर आयोजन के लिए प्रशासन को जानकारी देना जरूरी था। रिजॉर्ट प्रबंधक राकेश शर्मा ने बताया कि संबंधित पक्ष को जानकारी दी गई थी, लेकिन उन्होंने उसी स्थान को समारोह के लिए चुना। हालांकि प्रशासन ने बिना अनुमति कार्यक्रम आयोजित किए जाने पर नाराजगी जताते हुए मामले में जांच और कार्रवाई की बात कही है। मर्चूला क्षेत्र में बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं और यह साहसिक पर्यटन के रूप में विकसित हो रहा है। ऐसे में इस तरह की घटना ने स्थानीय लोगों के साथ प्रशासन को भी हैरान कर दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में संबंधित लोगों से पूछताछ की जाएगी और नियमों के उल्लंघन पर चालान भी किया जा सकता है।

प्लेनेटस्कूल जर्मन स्कूल एवं सतभिषा एआई प्रोजेक्ट का हुआ शुभारम्भ

एसडीएम व मेयर ने शिशु मंदिर में किया कार्यक्रम का उद्घाटन

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

पिथौरागढ़। सरस्वती शिशु मंदिर नया बाजार में प्लेनेटस्कूल जर्मन स्कूल एवं सतभिषा ए आई प्रोजेक्ट का शुभारम्भ एसडीएम जितेंद्र वर्मा के मार्गदर्शन में नगर निगम की महापौर कल्पना देवलाल ने किया। कार्यक्रम में पोस्टर लॉन्च, वर्चुअल सत्र, विद्यार्थियों द्वारा काव्य प्रस्तुति, डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रशिक्षण, सीएसआर कार्यशाला, स्वास्थ्य एवं फिटनेस परीक्षण, छात्र-आचार्य संवाद आदि गतिविधियां आयोजित की गईं।

चेयरपर्सन सुनीत ने प्लेनेटस्कूल मॉडल का उद्घाटन किया, बहुभाषी शिक्षा और एआई पर विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। अभिषेक वर्मा ने सीएसआर योजनाओं एवं भविष्य की रणनीति पर प्रकाश डाला। सुमित वर्मा ने शिक्षकों को डिजिटल प्लेटफॉर्म का प्रशिक्षण दिया।

मयंक वर्मा एवं रोहित जोशी ने विद्यार्थियों का डिजिटल स्वास्थ्य परीक्षण एवं एनरोलमेंट का कार्य संपन्न किया। कार्यक्रम में आसपास के विद्यालयों के शिक्षकों एवं आईटी कोऑर्डिनेटर्स की सक्रिय उपस्थिति रही। क्षेत्रीय शिक्षा समुदाय ने उत्साहपूर्ण सहयोग प्रदान किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य कमल खर्कवाल ने कार्यक्रम में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया तथा भविष्य में इस पहल को निरंतर आगे बढ़ाने का विश्वास दिलाया। सतभिषा एआई प्रोजेक्ट के अंतर्गत उत्तराखंड के सौ विद्यालयों को जोड़ने का लक्ष्य शामिल है।

यह पहल डिजिटल शिक्षा को सशक्त बनाने और विद्यार्थियों के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

हम नही सुधरेंगे, कूड़ादान लगने के बावजूद बाहर फेंक रहे है कूड़ा

लोहाघाट। पिछले हफ्ते जिलाधिकारी चंपावत मनीष कुमार के नेतृत्व में सैकड़ो लोगों ने लोहाघाट महाविद्यालय सड़क की देवदार बनी में स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों के द्वारा फेंके गए कूड़े का निस्तारण किया गया था। इसके बाद महाविद्यालय सड़क में तीन स्थानों पर कूड़ेदान स्थापित किए गए ताकि लोग कूड़ा दान में कूड़ा फेंके ना कि देवदार बनी में। पर कूड़ा दान लगने के बावजूद भी कुछ लोग सुधरने को तैयार नहीं है। उनके द्वारा महाविद्यालय गेट के पास लगे कूड़ादान में कूड़ा न डालकर कूड़ेदान के बाहर कूड़े का निस्तारण किया जा रहा है। शायद ऐसे लोगों का यही सोचना है हम नहीं सुधरेंगे चाहे कुछ कर लो। लोगों ने कहा ऐसे लोग स्वच्छता के सबसे बड़े दुश्मन है।

तीर्थयात्रियों की सुविधा सर्वोपरि यमुनोत्री-गंगोत्री यात्रा सुचारू

उत्तरकाशी। चारधाम की यात्रा जिला प्रशासन की निगरानी में सुव्यवस्थित और सुचारू रूप से संचालित की जा रही है। प्रशासन ने तीर्थयात्रियों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यात्रा मार्ग पर सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पेयजल, स्वच्छता और परिवहन व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखा है। यात्रा मार्ग पर तैनात टीमें 24 घंटे निगरानी कर रही हैं, जिससे किसी भी आकस्मिक स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। प्रशासन का कहना है कि यात्रियों को निर्बाध और सुरक्षित यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सक्रिय रखी गई हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यात्रा व्यवस्थाएं पूरी तरह सुदृढ़ और क्रियाशील बनी रहें। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो और सभी सेवाएं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाएं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों के समर्थन में उतरे विधायक अधिकारी

विधानसभा सत्र में कांग्रेस करेगी आंगनबाड़ी कार्य कर्तियों की आवाज को बुलंद

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

लोहाघाट। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकृतिया पिछले 25 दिनों से आंदोलन कर रही है। लोहाघाट में भी आंगनबाड़ी कार्यकृतियों का आंदोलन लगातार जारी है। आंगनबाड़ी कार्य कृतियों के समर्थन में लोहाघाट विधायक खुशाल सिंह अधिकारी भी आगे आए । उन्होंने आंगनबाड़ी आंदोलन को उचित बताते हुए बाल विकास मंत्री रेखा आर्य को पत्र देते हुए आंगनबाड़ी कार्य कृतियों की मांगों को पूरा करने की मांग की है। विधायक अधिकारी ने कहा आंगनबाड़ी कार्यकर्तियों की आवाज़ के साथ हम मजबूती से खड़े हैं।

विधायक ने कहा लंबे समय से अपनी जायज़ मांगों को लेकर धरना दे रही आंगनबाड़ी कार्य कृतियों/सेविकाओं को बार-बार धरना स्थल से हटाया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें हटाकर रैन बसेरा, लोहाघाट में भेजा गया, जो प्रशासन का उनकी पीड़ा को और बढ़ाने वाला कदम है।

विधायक अधिकारी ने कहा सबसे चिंताजनक बात यह है कि रैन बसेरा, लोहाघाट 2 महीनों के लिये पूर्णरूप से बंद है, क्योंकि वहाँ निर्माण कार्य चल रहा है। ऐसी स्थिति में आंगनबाड़ी बहनों की आवाज दबाने को वहाँ भेजना बिल्कुल भी उचित नहीं है और यह उनके साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार है। विधायक अधिकारी के देहरादून में होने के कारण सोमवार को उन्होंने अपने प्रतिनिधि के रूप में ब्लॉक प्रमुख पाटी शंकर अधिकारी के साथ विधायक प्रतिनिधि चाँद बोहरा एवं प्रधान संजय जोशी को धरना स्थल पर भेजा। तीनों जनप्रतिनिधियों ने रेन बसेरा धरना स्थल में जाकर आंगनबाड़ी कार्यकृतियों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें विश्वास दिलाया लोहाघाट विधायक का पूरा समर्थन उनके आंदोलन के साथ है विधायक उनके साथ मजबूती से खड़े हैं।

विधायक अधिकारी ने कहा इस विषय को मैंने गंभीरता से लेते हुए बाल विकास मंत्री रेखा आर्य को पत्र प्रेषित कर आंगनबाड़ी कार्य कृतियों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की। विधायक अधिकारी ने कहा इस महत्वपूर्णमुद्दे को कांग्रेस के सभी विधायक आगामी विधानसभा सत्र में मजबूती से उठाएंगे और हर संभव प्रयास करेंगे कि आंगनबाड़ी कार्य कृतियों को उनका अधिकार मिले। कहा हम सभी मिलकर आंगनबाड़ी कार्य कृतियों की आवाज़ को बुलंद करेंगे और न्याय दिलाकर रहेंगे। विधायक का समर्थन मिलने से आंगनबाड़ी कार्यकृतियों के हौसले बुलंद नजर आए। समर्थन देने के लिए उन्होंने लोहाघाट विधायक को धन्यवाद दिया।

चारधाम यात्रा को लेकर कांग्रेस पर भ्रम फैलाने का आरोप

टनकपुर(चंपावत)। भारतीय जनता पार्टी की ओर से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के हालिया बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी गई। प्रेस वार्ता में भाजपा नेता, मां पूर्णागिरी धाम के पुजारी और चंपावत ब्लॉक के ज्येष्ठ प्रमुख भुवन पांडे ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह चारधाम यात्रा को लेकर जनता में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस केवल नकारात्मक राजनीति कर रही है, जबकि राज्य सरकार विकास कार्यों पर केंद्रित है। भुवन पांडे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड में धार्मिक पर्यटन को निरंतर बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने दावा किया कि चारधाम यात्रा की व्यवस्थाएं सुचारु हैं और यात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस के पास अब कोई ठोस मुद्दा नहीं बचा है, जिसके कारण वह जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। पांडे ने उदाहरण देते हुए कहा कि माँ पूर्णागिरि मन्दिर में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के दौरान पेयजल की समस्या रहती थी, जबकि वर्तमान सरकार ने विभिन्न योजनाओं के माध्यम से इस समस्या का समाधान किया है। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में प्रदेश के सीमांत क्षेत्रों तक सड़क, बिजली और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के आंदोलन पर कांग्रेस का समर्थन

किच्छा। उत्तराखंड में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का जारी आंदोलन अब राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व दर्जा राज्य मंत्री गणेश उपाध्याय ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यह संघर्ष महिलाओं की एकजुटता और अधिकारों के प्रति उनकी जागरूकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के वादों और वास्तविक कार्यों में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। उनके अनुसार मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मातृशक्ति वंदन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं के हितैषी होने का संदेश देते हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि पिछले एक महीने से अधिक समय से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां विभिन्न मांगों को लेकर धरने पर बैठी हैं, लेकिन अभी तक शासन-प्रशासन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उन्होंने इसे सरकार की संवेदनहीनता बताया। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि सरकार को इस दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का यह आंदोलन प्रदेश की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन सकता है, जिससे वे अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग हों। अंत में उन्होंने संकेत दिया कि यदि सरकार इन मांगों पर ध्यान नहीं देती है, तो इसका राजनीतिक असर आने वाले चुनावों में देखने को मिल सकता है।

डीएम ने किया जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण

पर्वत प्रेरणा ब्यूरो

पिथौरागढ़। जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में भर्ती मरीजों से सीधे संवाद कर उनका हाल-चाल जाना तथा उन्हें मिल रही चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न वार्डों का भ्रमण करते हुए साफ-सफाई, दवाइयों की

उपलब्धता, डॉक्टरों एवं स्टाफ की उपस्थिति सहित सभी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अस्पताल में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मरीजों को बेहतर एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान जिला अस्पताल में ब्लड सेपरेशन मशीन खराब पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए मशीन को तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी ने कहा कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को गुणवत्तापूर्ण, संवेदनशील एवं समयबद्ध चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ रखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार लाया जाए। किसी भी प्रकार की ढिलाई पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अखिल भारतीय अराजपत्रित अधिकारी संघ का 94वां स्थापना दिवस मनाया

देहरादून। अखिल भारतीय अराजपत्रित अधिकारी संघ के 94वें स्थापना दिवस के अवसर पर विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान संघ से जुड़े पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन की गौरवशाली परंपरा को याद करते हुए एक-दूसरे को बधाई दी। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 1932 में ब्रिटिश शासन के दौरान स्थापित यह संगठन आज 94 वर्षों की सफल यात्रा पूरी कर चुका है। स्वतंत्रता-पूर्व काल से लेकर वर्तमान समय तक संघ ने नॉन-गैज़ेटेड अधिकारियों के अधिकारों, कल्याण और सम्मान के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस अवसर पर वक्ताओं ने संगठन की एकजुटता, संघर्ष और समर्पण की भावना को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बदलते प्रशासनिक परिवेश में भी कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए संगठन निरंतर सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा। कार्यक्रम के अंत में संघ के उज्ज्वल भविष्य और एकता की मजबूती की कामना की गई।

गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा देने की मांग

गौ सेवकों ने राष्ट्रपति के नाम दिया ज्ञापन

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

लोहाघाट। गौ सेवा सम्मान अभियान के तहत सोमवार को चंपावत जिले में गौ सेवकों ने गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिए जाने, देश में गौ हत्या पर पूरी तरह प्रतिबंध तथा गौ माता को उचित अनुसंधान और अनुदान की मांग को लेकर देश के राष्ट्रपति ,प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन तहसील कार्यालय के माध्यम से दिया। जिले के लोहाघाट /बाराकोट /चंपावत तथा पाटी तहसील में गौ सेवकों ने एसडीएम व तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन दिया। गौ सेवकों ने कहा हिंदू धर्म में गौ माता को मां माना गया है ।

गौ माता में 33 कोटी देवी देवताओं का वास होता है। उन्होंने कहा गौ माता को राष्ट्र माता व राष्ट्रीय धरोहर का सम्मान मिले। गौ सेवा हेतु केंद्रीय कानून बने तथा भारतवर्ष में गौ हत्या पर पूरी तरह प्रतिबंध लगे जिससे गौ माता पूर्णतया सुरक्षित रहे । उन्होंने कहा देश के सभी राज्यों में निराश्रित गौ वंशों हेतु संचालित गौशालाओं को अनुदान प्राप्त हो जिससे निराश्रित गौ वंशों की उचित सेवा हो ।चारे की उचित कीमत तय की जाए तथा चारे के अवैध भंडारण पर रोक लगे जिससे चार माफियाओं के ऊपर लगाम लगाई जा सके ।घास का उपयोग केवल गौ आहार और पशु आहार के रूप में हो इसके अन्य उपयोग ना हो चारे को फैक्ट्री में जलाने पर प्रतिबंध लगे। तथा देश भर में आरक्षित गोचर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने हेतु कार्रवाई हो गोचर विकास बोर्ड की स्थापना की जाए तथा गोचर भूमि का उपयोग केवल गौशाला संचालन और गौ चारण हेतु हो।

उन्होंने बताया गौ हत्यारे व तस्करी में लिफ्त अपराधियों के लिए आजीवन करवास जैसी कठोर सजा का प्रावधान हो गौ तस्करी में उपयोग आने वाले वाहनों की जब्ती होने पर जमानत न हो हमेशा लिए राजसद हो उन्हें नीलाम किया जाए अथवा गौशाला को उपयोग हेतु सौंप दिया जाए। तथा जिला स्तर पर पंचगव्य चिकित्सालय की स्थापना हो विद्यार्थियों को दिए जाने वाले मिड डे मील में देसी गाय माता के ताजा दूध अथवा गाय माता के दूध के पाउडर को शामिल किया जाए ।संस्कृत महाविद्यालय में गौ सेवा प्रकल्प अनिवार्य किए जाएं। तथा राजमार्गों पर होने वाली को दुर्घटनाओं पर नियंत्रण के उपाय किए जाए । प्रत्येक 50 किलोमीटर अथवा प्रत्येक टोल प्लाजा पर घायल गौ वंशों को तत्काल उपचार मुहैया कराने हेतु गौ वाहिनी एंबुलेंस और गौ चिकित्सा कर्मी नियुक्त हो तथा प्रत्येक 150 से 200 किलोमीटर पर चिकित्सालय की व्यवस्था हो गौशालाओं को मनरेगा से जोड़ा जाए ताकि गौशाला में काम करने वाले लोगों को 100 दिन का ग्वाल वेतन मनरेगा से प्राप्त हो तथा मनरेगा के तहत गौशालाओं का निर्माण कार्य किया जाए।

गौ वंश की मार्त देह का उचित अंतिम संस्कार किया जाए इसके लिए स्थान सरकार उपलब्ध कराए तथा अंतिम संस्कार की उचित व्यवस्था हो ताकि गौ माता की मर्त देह अपमान ना हो। गौ सेवकों ने बताया बताया आज पूरे देश मे 5000 तहसीलों में गौ सेवकों के द्वारा गौ सम्मान आवाहन अभियान के तहतराष्ट्रपति ,प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिए गए हैं। गौ सेवकों ने पशुपालकों से अपील करते हुए कहा अपने गौ सेवकों को कभी निराश्रित ना छोड़े हिंदू धर्म में इससे बढ़कर पाप नहीं माना गया है। जिले के लोहाघाट में गौ सेवकों ने आनंद सिंह भंडारी, पंडित शंकर दत्त पांडे,बाराकोट में जय मां भगवती लड़ीधूरा गौ सेवा समिति अध्यक्ष निर्मला अधिकारी, पाटी में भुवन चंद्र गहतोड़ी ,ओमप्रकाश जोशी कृष्णानंद शर्मा तथा चंपावत में मोहित पांडे नकुल पंत के नेतृत्व में ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन देने में जगदीश चंद्र ओ, रोहन राजपूत, प्रकाश पांडे ,संजय पांडे ,अनुज धामी अभिषेक पांडे,पूनम फर्त्याल, मानवी अधिकारी, ज्योति अधिकारी संध्या अधिकारी, सरिता अधिकारी, त्रिलोकी अधिकारी, मंजू अधिकारी, हीरा देवी ,कमला देवी प्रकाश सिंह, अधिकारी (अध्यापक), दिग्विजय सिंह, शंकर सिंह,सूरज सिंह, अरमान अधिकारी,कृष्णा अधिकारी, दिग्विजय अधिकारी, चिराग अधिकारी आदि गौ सेवक शामिल रहे ।

मुख्यमंत्री राहत कोष व महिला आरक्षण को लेकर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

चम्पावत । जिला मुख्यालय के गांधी चौक में सोमवार को मुख्यमंत्री राहत कोष घोटाले व 33% महिला आरक्षण बिल को लागू करने की मांग को लेकर कांग्रेस जिला अध्यक्ष चंपावत चिराग फर्त्याल के नेतृत्व में कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं धरने में शामिल सभी लोगों ने कहा सरकार का अन्याय और अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कांग्रेस जिला अध्यक्ष चिराग फर्त्याल ने कहा मुख्यमंत्री की विधानसभा में जिस प्रकार से मुख्यमंत्री राहत कोष जिस प्रकार से भाजपा नेताओं उनके परिजनों पर लुटाया गया है वह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। फर्त्याल ने कहा मुख्यमंत्री राहत कोष में हुए घोटालों की निष्पक्ष जांच की जाय। सरकार 33% महिला आरक्षण बिल को 543 सीटो में तत्काल लागू करे। तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की जायज मांगों को तत्काल पूरा किया जाए। फर्त्याल ने कहा इस शांतिपूर्ण व प्रभावशाली प्रदर्शन में लोगों की भावनाओं ने संघर्ष को और मजबूत किया है। कहा जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होंगी, हमारा संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

नकल पर सख्ती और पारदर्शिता पर जोर

17 मई की परीक्षा के लिए आयोग की नई एसओपी लागू: मर्तोलिया

स्नातक स्तरीय परीक्षा तैयारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

चंपावत। जनपद चम्पावत में आगामी 17 मई को प्रस्तावित स्नातक स्तरीय परीक्षा को पूर्णत: निष्पक्ष एवं नकलविहीन बनाने के उद्देश्य से उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष जी.एस. मर्तोलिया की अध्यक्षता में जिला कार्यालय सभागार में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान अध्यक्ष मर्तोलिया ने स्पष्ट किया कि पारदर्शी और नकलमुक्त परीक्षाएं ही बेहतर प्रशासन की आधारशिला है, जिससे योग्य एवं प्रतिभाशाली अभ्यर्थियों का चयन सुनिश्चित किया जा सकता है। उन्होंने दो टूक कहा कि परीक्षा प्रबंधन में किसी भी स्तर पर लापरवाही को अक्षम्य माना जाएगा।बैठक में आयोग द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत सुरक्षा, पारदर्शिता और निगरानी के कड़े प्रावधानो के बारे में विस्तार से चर्चा की गयी।

बैठक में बताया गया कि इस बार परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। सभी कक्षों में जैमर लगाए जाएंगे, जिससे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दुरुपयोग पर पूर्ण रोक लग सके। साथ ही सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखी जाएगी। प्रत्येक अभ्यर्थी की बायोमेट्रिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के साथ ही विस्तृत चेकिंग भी अनिवार्य की गई है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के निजी सामान रखने की व्यवस्था नहीं होगी। केवल निर्धारित और विश्वसनीय केंद्रों का ही चयन किया गया है, जिससे परीक्षा की गोपनीयता और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।अध्यक्ष ने सेक्टर मजिस्ट्रेट, पुलिस एवं अन्य सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा से एक दिन पूर्व सभी केंद्रों का अनिवार्य निरीक्षण किया जाए।

साथ ही संदिग्ध गतिविधियों एवं कोचिंग संस्थानों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा एवं पारदर्शिता के साथ निर्वहन करने के लिए कहा। साथ ही परीक्षा ड्यूटी में तैनात कार्मिकों को पूर्व बैठक के माध्यम से नई एसओपी और दिशा-निर्देशों की पूर्ण जानकारी देने के निर्देश दिए गए।अध्यक्ष जी.एस. मर्तोलिया ने अभ्यर्थियों से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार के बहकावे में न आएं। आयोग निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा कराने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध है। अभ्यर्थी अपनी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा की तैयारी करें।बैठक में अपर जिलाधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी, डिप्टी कलेक्टर विपिन पंत, मुख्य शिक्षा अधिकारी मान सिंह, वरिष्ठ कोषाधिकारी सीमा बंगवाल सहित समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट, पर्यवेक्षक एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एसडीएम अनुराग आर्य को तहसील कर्मियों ने दी भावपूर्ण विदाई

लोहाघाट। तहसील चम्पावत में लगभग एक वर्ष से ज्यादा समय तक उप जिलाधिकारी के पद पर रहे अनुराग आर्या को आज जनपद चंपावत से जनपद नैनीताल को स्थानांतरित होने पर तहसील परिवार द्वारा द्वारा भावपूर्ण विदाई दी गई ।तहसील सभागार कक्ष में हुए विदाई समारोह में उप जिला अधिकारी अनुराग आर्य ने चंपावत जिले में अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि उनके द्वारा अब तक नैनीताल, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी व बागेश्वर आदि जनपदों में सेवा दी गई हर जगह से कुछ न कुछ नया सिखने को मिला इसलिए हर जगह से कुछ ना कुछ जरूर सीखने का प्रयास करना चाहिए! उन्होंने बताया कि स्थानांतरण एक चलाय प्रकिया हैं जिससे कुछ ना कुछ नया सीखने को मिलता हैं! उन्होंने कहा चंपावत जिले में सभी कार्मिकों के साथ कार्य करने का अपना अलग अनुभव रहा है। उन्होंने कार्मिकों की कार्य प्रणाली की सराहना की।कार्यक्रम में पटवारी संघ के अलावा कार्यालय के अधिकारी व कर्मचारियों ने अपने अपने विचार रखें ।साथ सभी ने स्मृति चिन्ह व मूमेंटो उपहार स्वरूप देते हुए उपजिलाधिकारी अनुराग आर्या के स्वस्थ व दीर्घ जीवन की कामना करते हुए विदाई दी गई।कार्यक्रम में तहसीलदार ब्रज मोहन आर्य, बरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ईश्वरी राम, प्रशासनिक अधिकारी बची सिंह जीना, पेशकार मोनिका कनौजिया, नायब नाजिर सुरजीत सिंह, रजिस्टॉर कानूनगो राकेश फर्तयाल, राजस्व निरिक्षण पुष्कर नाथ, दीनदयाल वर्मा, छत्र सिंह बोहरा, राजस्व उप निरिक्षण अशोक कुमार, पवन जुकरिया, सुनील माहरा, विनोद देव, जीवन रिंगवाल, साहिबा, हिना, सपना, ऊषा, जीवन भट्ट, हरीश गहतोड़ी, गोविंद, पुष्कर चंद, शुभम खर्कवाल, शुभम पुजारी, नवल जोशी, उमा टमटा, जीवन्ति कार्की, भुवन मेहता, दीपक कुमार, रेखा, मनी आदि लोग उपस्थित रहे।

सारा करेगी अक्कल धारे व ऐतिहासिक शिवजू नोले का कायाकल्प

लोहाघाट। डीएम चंपावत मनीष कुमार के निर्देश पर स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन अथॉरिटी (सारा) लोहाघाट के प्राचीन शिवजू नोले व अक्कल धारे का कायाकल्प करेगी। डीएम चंपावत के निर्देश पर सारा टीम के द्वारा लोहाघाट के प्रसिद्ध शिवजू नोले का निरीक्षण किया तथा नोले के जीर्णोधार व जलस्तर बढ़ाने की योजना तैयार की ।सारा टीम ने बताया जिलाधिकारी के निर्देश पर आज शताब्दियों पुराने शिवजू नोले का निरीक्षण किया गया ।उन्होंने बताया चंपावत जिले के पांच ऐतिहासिक प्राचीन नौलो धारों का जीर्णोधार किया जाना है जिनकी चिन्हीकरण की कार्रवाई चल रही है ।उन्होंने बताया लोहाघाट में अक्कल धारे व ऐतिहासिक शिवजू नोले का चिन्हीकरण किया गया है। जिनकी कार्य योजना बनाकर जिलाधिकारी के सम्मुख प्रस्तुत की जाएगी। सारा टीम ने कहा योजना का उद्देश्य प्राचीन जल स्रोतों का संरक्षण करना तथा उनके जल स्तर को बढ़ाना है ताकि जनता को इनका भरपूर फायदा मिल सके। टीम मे सोशल कोऑर्डिनेटर सारा हरीश भट्ट, जीईओ हाइड्रोलॉजिस्ट सुमित सिंह, टेक्निकल एक्सपर्ट जीवन सिंह अंसवाल आदि मौजूद रहे।

कोयाटी के जंगल में धधक रही आग पर फायर ब्रिगेड व बन विभाग ने पाया काबू

लोहाघाट। ब्लाक की ग्राम सभा कोयाटी के समीप जंगल मे आग भड़क उठी देखते ही देखते आग तेजी से फैलने लगी। सूचना पर फायर स्टेशन लोहाघाट व बन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। फायर टीम व बन विभाग के द्वारा अंधेरे में त्वरित कार्यवाही करते हुवे मिनी वाटर टेंडर की मदद से आग पर काबू पाते हुए वन संपदा को बचाते हुए वन्य जीवों की भी रक्षा की।फायर स्टेशन लोहाघाट व बन विभाग ने समस्त जनता से अनुरोध करते हुए कहा जंगलों में आग न लगाए । आग लगने पर वनों को आग से बचाने हेतु तत्काल 112 में सूचना दें तथा वनों को आग से बचाने हेतु चंपावत पुलिस का सहयोग करें। आग बुझाने में डीबीआर जगदीश तिलाड़ा, एफएम उमेश, पारस, एफडब्ल्यू प्रतिभा व कोमल तथा बन विभाग के पीयूष ढेक व अन्य शामिल रहे।

महिला आरक्षण कानून लागू करने की मांग तेज, कांग्रेस का धरना प्रदर्शन

पर्वत प्रेरणा संवाददाता

हल्द्वानी। वर्ष 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर कांग्रेस ने हल्द्वानी में प्रदर्शन किया। गणेश गोदियाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मंगल पड़ाव स्थित भीमराव अंबेडकर पार्क में धरना दिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

धरने को संबोधित करते हुए गोदियाल ने कहा कि वर्ष 2023 में संसद द्वारा पारित महिला आरक्षण कानून—नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023—अब तक लागू नहीं किया गया है, जिससे महिलाओं को उनका संवैधानिक अधिकार मिलने में देरी हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार इस कानून को लागू करने में गंभीर नहीं हैं और इसे लगातार टाल रही हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का वादा किया गया था, लेकिन जनगणना और परिसीमन का हवाला देकर इसे आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार जल्द से जल्द प्रक्रिया पूरी कर कानून को लागू करे, ताकि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

गोदियाल ने यह भी कहा कि कांग्रेस महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यदि उनकी सीट महिला आरक्षित होती है तो वे स्वयं चुनाव नहीं लड़ेंगे, बल्कि महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाएंगे।

धरने में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि महिला आरक्षण कानून को जल्द लागू नहीं किया गया तो आंदोलन को राज्यभर में तेज किया जाएगा। कांग्रेस का यह प्रदर्शन आगामी चुनावों से पहले महिला मतदाताओं को साधने की रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री हरीश दुर्गापाल, रंजीत रावत, संजीव आर्या, केदार पलड़िया, सतीश नैनवाल, हेमवती नंदन दुर्गापाल, एनबी गुणवंत, राहुल छिम्वाल, भोला दत्त भट्ट समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वनाग्नि रोकथाम को लेकर प्रशासन सतर्क, जिलाधिकारी ने दिए सख्त निर्देश

अल्मोड़ा। जनपद में बढ़ती गर्मी के बीच वनाग्नि की आशंका को देखते हुए सोमवार को कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी अंशुल सिंह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई, जिसमें रोकथाम और प्रभावी प्रबंधन की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि तापमान में लगातार वृद्धि के कारण वनाग्नि की घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है, ऐसे में सभी संबंधित विभागों को विशेष सतर्कता बरतनी होगी।

उन्होंने उपजिलाधिकारियों, पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ तत्परता से कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि वनाग्नि की घटनाओं में संलिप्त तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए तत्काल मुकदमा दर्ज किया जाए और प्रवर्तन को और प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने जनजागरूकता बढ़ाने पर जोर देते हुए निर्देश दिया कि तीन दिनों के भीतर सभी ग्राम पंचायतों में वनाग्नि रोकथाम को लेकर बैठकें आयोजित की जाएं। ग्रामीण क्षेत्रों में कूड़ा-करकट और फसलों के अवशेष जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लागू करने तथा इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि वनाग्नि की सूचना मिलते ही न्यूनतम समय में त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए।

साथ ही जंगलों में अधिक से अधिक फायर लाइन तैयार करने, उनकी नियमित निगरानी करने और पर्याप्त संख्या में फायर वाचरों की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने कहा कि वनाग्नि की रोकथाम केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, इसमें आमजन की सहभागिता भी जरूरी है। लोगों से अपील की गई कि वे जंगलों को आग से बचाने में सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह, अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्र, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विनीत पाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत ज्ञापन प्रेषित

अल्मोड़ा। जनपद में गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत सोमवार को एक कार्यक्रम आयोजित कर प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री और राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किए गए। अभियान का उद्देश्य गौ संरक्षण और गौवंश के प्रति समाज में सम्मान की भावना को मजबूत करना बताया गया। जनपद मुख्यालय में गौ सेवकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार के माध्यम से ज्ञापन भेजा। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि गोवंश भारतीय संस्कृति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है, इसलिए इसके संरक्षण के लिए प्रभावी नीतियां बनाई जानी चाहिए। ज्ञापन में गोशालाओं की स्थिति सुधारने, बेसहारा गोवंश के लिए उचित व्यवस्था करने और किसानों को सहयोग प्रदान करने की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि इन मुद्दों पर ठोस पहल की आवश्यकता है। कार्यक्रम में कामिनी कश्यप, दयाकृष्ण कांडपाल, हरीश लोहनी, भगवती प्रसाद पांडे, दीपक पांडे सहित अन्य गौ सेवक और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

धुरंधर जैस्मीन की 'शरारत' से झूम उठा ग्राफेस्ट

हल्द्वानी। ग्राफिक इरा हिल यूनिवर्सिटी के परिसर में आयोजित वार्षिक महोत्सव 'ग्राफेस्ट' में देर शाम संगीत और उत्साह का जबरदस्त संगम देखने को मिला। मशहूर गायिका जैस्मीन सैंडलस ने अपनी जादुई आवाज और बेबाक अंदाज से हजारों छात्र-छात्राओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत डीजे जैरी के हाई-वोल्टेज म्यूजिक से हुई, जिसने पूरे माहौल को उत्सवमय बना दिया। छात्रों ने जमकर डांस किया और माहौल में ऊर्जा भर दी। जैसे ही जैस्मीन सैंडलस मंच पर पहुंचीं, पूरा परिसर तालियों और नारों से गूंज उठा। उन्होंने 'सिप-सिप', 'शरारत' और 'मैं और तू' जैसे लोकप्रिय गीतों की शानदार प्रस्तुति दी। युवाओं की मांग पर उन्होंने लोकगीतों का फ्यूजन भी पेश किया, जिसने कार्यक्रम को और यादगार बना दिया। अपने संवादात्मक अंदाज से उन्होंने दर्शकों के साथ सीधा जुड़ाव स्थापित किया। कार्यक्रम में ग्राफिक एरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. कमल घनशाला और वाइस चेयरपर्सन डॉ. राखी घनशाला भी मौजूद रहे। उन्होंने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करते हैं। पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रहीं। संस्थान के अनुसार, इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 'ग्राफेस्ट' की यह शाम छात्रों के उत्साह और उमंग से भरपूर रही, जो देर रात तक जारी रही और हल्द्वानी के शैक्षणिक माहौल में एक यादगार आयोजन के रूप में दर्ज हो गई।

680 वंचित राज्य आंदोलनकारियों ने राज्य आंदोलनकारी का दर्जा प्राप्त करने किया आवेदन

पिथौरागढ़। राज्य आंदोलनकारी महेंद्र सिंह लुंठी, राजेंद्र रावत आदि ने अपरजिलाधिकारी योगेंद्र सिंह के साथ बैठक करके वंचित राज्य आंदोलनकारियों को राज्य आंदोलनकारी का दर्जा प्रदान करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि पिथौरागढ़ से 380 वंचित राज्य आंदोलनकारियों ने राज्य आंदोलनकारी का दर्जा देने के लिए प्रशासन को आवेदन दिया है। गंगोलीहाट से 9, डीडीहाट से 133, बेरीनाग से 71, कनालीछीना से 31, थल से 28 कुल 680 के करीब वंचित राज्य आंदोलनकारियों ने राज्य आंदोलनकारी का दर्जा लेने के लिए जिला प्रशासन को आवेदन दिया है। महेंद्र सिंह लुंठी ने बताया कि आज सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित हुआ है कि ब्लॉक और तहसील स्तर पर एसडीएम, तहसीलदार और थानेदार के नेतृत्व में एक महिने के भीतर वंचित राज्य आंदोलनकारियों की रिपोर्ट जिला प्रशासन को भेजी जाएगी। उन्होंने सभी वंचित राज्य आंदोलनकारियों से निवेदन किया कि उनके पास अपने राज्य आंदोलनकारी होने के जो भी साक्ष्य हैं तुरंत अधिकारियों को देने की कृपा करें। जिससे उन्हें राज्य आंदोलनकारी घोषित किया जा सके।

1 मई से बदलेगा स्कूल टाइम, बच्चों को मिलेगी गर्मी से राहत

देहरादून। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए उत्तराखंड सरकार ने स्कूली बच्चों को राहत देने के लिए बड़ा निर्णय लिया है। प्रदेश के शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने घोषणा की है कि 1 मई 2026 से राज्य के सभी सरकारी स्कूलों के समय में बदलाव किया जाएगा। नई व्यवस्था के तहत अब प्रदेश के सरकारी स्कूल सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक संचालित होंगे। इससे पहले स्कूलों का समय सुबह 7:45 बजे से दोपहर 2:05 बजे तक निर्धारित था। नए समय के अनुसार छात्रों को सुबह थोड़ा पहले स्कूल पहुंचना होगा, लेकिन उनकी छुट्टी करीब 35 मिनट पहले हो जाएगी, जिससे उन्हें दोपहर की तेज धूप से राहत मिलेगी। सरकार के इस फैसले का उद्देश्य खासतौर पर बच्चों को गर्मी और लू के प्रभाव से बचाना है। अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन की ओर से लंबे समय से समय परिवर्तन की मांग की जा रही थी, जिसे अब स्वीकार कर लिया गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के कई पर्वतीय जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है, जबकि मैदानी क्षेत्रों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है। इसके चलते आगामी दिनों में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की उम्मीद है। गौरतलब है कि अप्रैल के अंतिम सप्ताह से ही गर्मी का असर तेज हो गया है और कई क्षेत्रों में तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। ऐसे में छोटे बच्चों के लिए दोपहर के समय स्कूल से घर लौटना स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो रहा था। सरकार के इस निर्णय को छात्रों और अभिभावकों के लिए राहत भरा कदम माना जा रहा है।

लगातार बढ़ता जा रहा है कांग्रेस का परिवार : ममता

जिला संवाददाता पर्वत प्रेरणा

रुद्रपुर - महानगर कांग्रेस कमेटी ने आज विभिन्न ब्लॉकों के नवनियुक्त अध्यक्षों का माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान सभी कांग्रेसियों ने मिशन 2027 की जीत का संकल्प लिया। कांग्रेस के जिला कार्यालय में नव नियुक्त अध्यक्ष अशोक राय, नासिर अली और पवन बिष्ट का पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर व पटका पहनकर स्वागत किया। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष ममता रानी ने कहा कि कांग्रेस एक विशाल परिवार की तरह है जहां समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर कार्य किए जाते हैं ताकि सभी लोगों का विकास हो सके। उन्होंने कहा कि आने वाला समय कांग्रेस का है लगातार कांग्रेस का जनाधार बढ़ता जा रहा है और जनता अब भाजपा की नीतियों से तंग आ चुकी है और अब कांग्रेस की ओर आशा भरी नजर से देख रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस राज्य में अपनी सरकार बनाएगी और विकास के नए रास्ते खुलेंगे। पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल ने कहा की जो भी नवनियुक्त वार्ड अध्यक्ष बने हैं वह अपने अपने वार्डों में युवाओं को बड़ी संख्या में जोड़ें और हर बूथ पर जाकर उसका अवलोकन करें तथा अपने बूथ को मजबूत करें। जिला अध्यक्ष हिमांशु गाबा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी अब घर-घर जाकर समाज के सभी वर्गों को अपने साथ जोड़ेगी और कांग्रेस की रीति नीति से अवगत कराएगी कि किस प्रकार कांग्रेस देश और राज्य के विकास के लिए सोच रखती है और यदि कांग्रेस सरकार बनाएगी तो समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर राज्य का विकास करेगी। इस दौरान डॉ अजय कुमार सिंह, गोपाल भसीन, ज्योति बिष्ट,विकास बंसल,रोहित चौहान, प्रकाश सरकार,अबरार अहमद,संजीव कुमार, रमन सिंह, नरेश सागर, राहुल कुमार रोहित अग्रवाल सूरज दास आदि मौजूद थे।

गर्मी में आंखों की देखभाल जरूरी, लापरवाही से बढ़ सकता है संक्रमण : डॉ. मपवाल

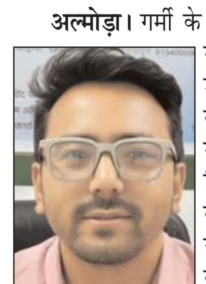

अल्मोड़ा। गर्मी के मौसम में तेज धूप, धूल और बढ़ते तापमान के कारण आंखों से जुड़ी समस्याएं बढ़ जाती हैं। जिला चिकित्सालय अल्मोड़ा के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. जीवन मपवाल ने लोगों को इस मौसम में आंखों की विशेष देखभाल करने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि गर्मियों में आंखों में जलन, खुजली, लालिमा और सूखापन जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। धूल-मिट्टी और प्रदूषण के संपर्क में आने से एलर्जी और संक्रमण का खतरा भी बढ़ जाता है, ऐसे में आंखों को सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। डॉ. मपवाल ने सलाह दी कि तेज धूप में बाहर निकलते समय धूप के चश्मे का उपयोग करें और आंखों को सीधे सूर्य की किरणों से बचाएं। आंखों को बार-बार गंदे हाथों से छूने से बचें और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने यह भी बताया कि आंखों की ठंडक के लिए बर्फ को साफ और मुलायम कपड़े में लपेटकर हल्के हाथों से कुछ मिनट तक सिकाई करें, जिससे आंखों को राहत मिलती है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर के साथ आंखों की नमी भी बनी रहती है। डॉ. मपवाल ने कहा कि लंबे समय तक मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन देखने से आंखों पर दबाव पड़ता है, जिससे सूखापन और थकान बढ़ सकती है, इसलिए बीच-बीच में आंखों को आराम देना जरूरी है।